

ब्रह्ममुरारि सुरार्चित लिङ्गं निर्मल भासित शोभित लिङ्गम् ।

जन्मज दुःख विनाशक लिङ्गं तत्-प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ १ ॥

प्ररह्ममुरारी शरारार्चीत लींगकउम
नीर्मलपाणीत शेरापीत लींगकउम ।
ज्ञानमज्ज तुउःक विनाशक लींगकउम
तत्-प्रणमामि शताउशीव लींगकउम ॥ १ ॥

देवमुनि प्रवरार्चित लिङ्गं कामदहं करुणाकर लिङ्गम् ।

रावण दर्प विनाशन लिङ्गं तत् प्रणमामि सदाशिवलिङ्गम् ॥ २ ॥

तेऽवमुनी प्रवरार्चीत लींगकउम
कामतउहम करुणाकर लींगकउम ।
रावण तउर्प विनाशन लींगकउम
तत्-प्रणमामि शताउशीव लींगकउम ॥ २ ॥

सर्व सुगन्ध सुलेपित लिङ्गं बुद्धि विवर्धन कारण लिङ्गम् ।

सिद्ध सुरासुर वन्दित लिङ्गं तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ३ ॥

सर्व शकउन्त4 शालेपीत लींगकउम
पृथिवीत विवर्त4न कारण लींगकउम ।
शीतउत4 शराशर वन्तिउत लींगकउम
तत्-प्रणमामि शताउशीव लींगकउम ॥ ३ ॥

कनक महामणि भूषित लिङ्गं फणिपति वेष्टित शोभित लिङ्गम् ।

दक्ष सुयरा विनाशन लिङ्गं तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ४ ॥

कणक महामणि पृथिवीत लींगकउम
पृथिवीत वेष्टित शेरापीत लींगकउम ।
तउक्षे शयज्जु विनाशन लींगकउम
तत्-प्रणमामि शताउशीव लींगकउम ॥ ४ ॥

कुङ्कुम चन्दन लेपित लिङ्गं पङ्कज हार सुशोभित लिङ्गम् ।

सञ्चित पाप विनाशन लिङ्गं तत् प्रणमामि सदाशिवलिङ्गम् ॥५॥

कुङ्कुम सन्तुष्टिं लेपित लिङ्कम्
पङ्कजं ब्राह्मणं शोभोपीत लिङ्कम् ।

सञ्चित पाप विनाशन लिङ्कम्
तत्-प्रणमामि शतावशीव लिङ्कम् ॥ 5 ॥

देवगणार्चित सेवित लिङ्गं भावैर्भक्तिभिरेव च लिङ्गम् ।

दिनकर कोटि प्रभाकर लिङ्गं तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥६॥

तेऽवकणार्चित शेषवित लिङ्कम्
पावैवरं पाकं ती प्रयोगं च लिङ्कम् ।

तीनकर केऽपि प्रपाकर लिङ्कम्
तत्-प्रणमामि शतावशीव लिङ्कम् ॥ 6 ॥

अष्टदलोपरिवेष्टित लिङ्गं सर्वं समुद्भव कारण लिङ्गम् ।

अष्ट दरिद्र विनाशन लिङ्गं तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥७॥

अष्टटत्त्वोपरीवेष्टित लिङ्कम्
सर्वं समुद्धारणं कारणं लिङ्कम् ।

अष्टटत्त्वरीत्तर विनाशन लिङ्कम्
तत्-प्रणमामि शतावशीव लिङ्कम् ॥ 7 ॥

सुरगुरु सुरवर पूजित लिङ्गं सुरवन पुष्प सदार्चित लिङ्गम् ।

परात्परं परमात्मक लिङ्गं तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥८॥

सर्वकुरु सर्ववर पूजित लिङ्कम्
सर्ववनं पुष्पं शतावर्चित लिङ्कम् ।

परात्परमं परमात्मक लिङ्कम्
तत्-प्रणमामि शतावशीव लिङ्कम् ॥ 8 ॥

लिङ्गाष्टकमिदं पुण्यं यः पठेत् शिवसन्निधौ ।

शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते ॥

விங்காழ்டகமிதும் புண்யம் யஃப் படேத் ஸிவ ஸன்னிதெளா4 |

ஸிவலோகமவாப்னோதி ஸிவேன ஸஹ மோதுதே ||